समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०४
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

होली प्रीति मिलन समारोह में प्रधान अतिथि श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री राम अवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ, श्री बिजय कुमार डोकानियाँ एवं श्री शिव कुमार लोहिया परिलक्षित हैं।

राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री संतोष सराफ, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री संजय हरलालका, श्री जुगल किशोर सराफ, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री ओम लड़िया, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री ऋषि बागड़ी, श्री रवि लोहिया आदि परिलक्षित हैं।

पूर्वोत्तर के दौरे पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों का जोरहाट हवाई अड्डे पर स्वागत करते हुए श्री ओंकारमल अगरवाला, श्री मधुसुदन सीकरिया, श्री जुगल किशोर सिंघी, श्री अशोक अगरवाला, श्री बाबु लाल गगड़ आदि।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - पूर्वोत्तर में सम्मेलन की नींव गहरी
- सम्पादकीय - समाज में प्रगति मर्यादित हो
- स्थायी समिति की बैठक - रपट
- राष्ट्रीय पदाधिकारियों का पूर्वोत्तर दौरा - जोरहाट, नगांव एवं गुवाहाटी में आयोजित सभाओं की रपट
- होली प्रीति सम्मेलन - रपट
- प्रांतीय समाचार - दिल्ली, झारखण्ड, बिहार, पूर्वोत्तर
- नये सदस्य

FORCE

NXT

INNER FASHION

GO FOR NXT

Shop online at **www.shopnxt.in** and also available at all leading online portals

समाज विकास

◆ अप्रैल २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०४
◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००
◆ सदस्यों के लिये निःशुल्क

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** समाज में प्रगति मर्यादित हो	३
• **चिट्ठी आई है**	५
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** पूर्वोत्तर में सम्मेलन की नींव गहरी	७
• **राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक - रपट**	९
• **राष्ट्रीय पदाधिकारियो का पूर्वोत्तर दौरा –**	
♦ **लेख : शिव कुमार लोहिया** असम डायरी	१५
♦ **जोरहाट में सभा - रपट**	१७
♦ **नंगाव में सभा - रपट**	१९
♦ **गुवाहाटी में सभा - रपट**	२१
• **होली प्रीति सम्मेलन - रपट**	२४
• **प्रान्तीय समाचार –** बिहार, झारखंड, दिल्ली, पूर्वोत्तर	२७
• **नए सदस्यों का स्वागत**	३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

समाज में प्रगति मर्यादित हो

– सन्तोष सराफ

कोलकाता में होली मिलन समारोह इतनी बड़ी संख्या में समाजबंधुओ की उपस्थिति अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के मिलन समारोह में एकत्रित होकर हम आपसी स्नेह एवं प्रेमभाव को सुदृढ़ करते हैं। यह अत्यावश्यक है। समाज में संयुक्त परिवार की व्यवस्था चरमरा रही है। परिवार 'हम और हमारे बच्चे' तक सीमित रह गये हैं। जीवन की आपाधापी में आपस मे मिलने का अवकाश नही मिलता या अब वैसी मानसिकता का अभाव हो गया है। समाज में आपसी भाईचारे की परम्परा धीरे-धीरे कम होती जा रही है। यह हमारी सांस्कृतिक परम्परा के विपरीत है। साथ ही हम हमारे भाषा एवं साहित्य से दूर हो रहे हैं। बोलचाल भाषा में मायड़ तो दूर, हिन्दी का स्थान भी खतरे में पड़ा हुआ है। युवाओं मे अपनी भाषा, संस्कृति एवं परम्परा की जानकारी ही नहीं है, तो अनुराग का प्रश्न कहाँ उठता है? ऐसा लगता है कि हमारी परम्परायें, हमारी अस्मिता एवं हमारी पहचान एक सवारी में बैठकर हमारी आँखों के सामने से कहीं ओझल होती जा रही है। अगर इसी प्रकार चलता रहा तो मुझे इस बात की पूरी आशंका है कि हम अपने ही देश मे अपनी अस्मिता, अपने तहजीब खो देंगे। हो सकता है किसी को यह अतिशयोक्ति लगे। हमें यह याद रखना होगा कि प्रगति आसमान छूने में नहीं है। प्रगति आसमान छूते हुए अपने जमीन पर पांव टिका कर रखने मे हैं। हमारी परम्परा, हमारी भाषा, हमारी तहजीब हमारी विरासत हैं। अपनी विरासत का खजाना खोकर कोई भी समाज प्रगतिशील नहीं कहला सकता।

हमारी संस्कृति, हमारी परिपाटी एवं हमारे मौलिक ज्ञान का लोहा पूरा विश्व मानता है। शनैः-शनैः विश्व उसे अपनाता भी जा रहा है। जिस भौतिक प्रगति एवं भोगवाद से उबकर पश्चिमी समाज हमारे संस्कृति के मूलभूत आदर्शो का पालन कर उन्नति एवं शांति प्राप्त कर रहा है, उन्हें हम छोड़ते जा रहे हैं। यही कारण है कि समाज में अनेक प्रकार की विकृतियाँ एवं कुरीतियाँ घर कर रही हैं। हमें इसका निदान करना होगा। हमारी संस्कृति हमें व्यापकता प्रदान करती है। हमारी परम्परा हमें हमारी जड़ें मजबूत करने का पाठ पढ़ाती हैं। हमारी शिक्षा हमें सहिष्णु एवं विनम्र होना सिखाती है। हमारे वेद कहते हैं - अच्छे विचार सभी दिशाओं से आने दो। सुनो सबकी। सुने हुए का मनन करो। जो निष्कर्ष निकले उसे अपनाओ। समाज मे आज अंधाधुंध नकल हो रही है। यह हमारे लिए अहितकारी है। उसमें सबसे प्रमुख उदाहरण है मद्यपान का बढ़ता चलन। यह अनेक प्रकार की विकृतियों की जन्मदात्री है। हम अपनी मर्यादाएँ भंग कर रहे हैं। बदलाव प्रकृति का नियम है। समाज प्रगति पथ पर अग्रसर है। युवा पीढ़ी आगे बढ़ रही है। पर यह प्रगति मर्यादित होनी चाहिए। समाज के उन लोगों का हमें साथ लेकर चलना है जो किसी भी कारण से पीछे छूट गये हैं या उपेक्षित हैं। तभी प्रगति को हम समाज के लिए हितकारी कह सकते हैं। व्यक्ति के निजी प्रगति का कोई महत्व नहीं होता है अगर उसका लाभ समाज को न मिले। सम्मेलन अपने विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा उसी दिशा में प्रयत्नशील है एवं इसमें सभी समाजबंधुओ की भागीदारी अपेक्षित है। ★★★

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

चिट्ठी आई है

लक्ष्मण रेखा

समाज विकास का जनवरी २०१७ का अंक देखा-पढ़ा। पत्रकारिता से जुड़ा होने के कारण स्वभाव-वश आपके सम्पादकीय पर नजर गयी। एक पंक्ति ने विशेष रूप से ध्यान आकृष्ट किया।

स्वामी विवेकानन्द एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, दो ऐसी विभूतियाँ हुई हैं जिनके समक्ष सम्पूर्ण राष्ट्र नतमस्तक है। आपने अपने सम्पादकीय के माध्यम से इन दो महापुरुषों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किये, यह सराहनीय है। किंतु क्या नेताजी सुभाष बोस की अद्वितीय भूमिका का उल्लेख करते समय **"राष्ट्र के तथाकथित नेतृत्व की कायरतापूर्ण नीतियों"** जेसे वाक्य का प्रयोग करना आवश्यक था? यह तो सर्वविदित है कि उस कालखण्ड में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधी कर रहे थे, जिनके नेताजी से वैचारिक मतभेद थे।

आपको या किसी को भी अपने ढंग से उन परिस्थितियों की विवेचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन एक सर्वमान्य नेतृत्व को **'तथाकथित'** बताना या जिन नीतियों की बदौलत देश को आजादी मिली, उन्हें **कार्यरतापूर्ण** कहना कितना उचित है, यह तो आप ही बता सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या इन विषयों पर चर्चा करने के लिए मारवाड़ी सम्मेलन या समाज-विकास उपयुक्त मंच है?

मेरी समझ से बेहतर यही हे कि **"समाज विकास"** को सम्मेलन की गतिविधियों तथा सामाजिक मुद्दों तक सीमित रखा जाये और सम्पादकीय की भाषा व प्रस्तुति में सावधानी बरती जाये। आखिर, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसी समाज की प्रतिनिधि व प्रतिष्ठित संस्था में एक लक्ष्मण रेखा तो होनी चाहिए।

यदि आप उचित समझें तो इस पत्र को **'समाज विकास'** के अगले अंक में प्रकाशित कर सकते हैं। आभारी रहूंगा।

वेद प्रकाश अग्रवाल
राँची, झारखण्ड

माननीय वेद प्रकाश जी,

आपका समाज विकास (जनवरी २०१७) के सम्पादकीय के संदर्भ में ८ मार्च २०१७ का पत्र प्राप्त हुआ।

हम आपके मत से पूरी तरह सहमत है कि उस समय के नेतृत्व को जो महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरु और मौलाना आजाद जैसे महान पुरुषों के हाथ में था, उन्हें तथाकथित या उनकी नीतियों को कायरता पूर्ण के रूप में वर्णित करना केवल अनावश्यक ही नहीं अनुचित भी है। हम इस भूल के लिये खेद व्यक्त करते हैं।

आप एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, आपके विचारों, एवं सुझावों का सम्मान करते हैं और आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि सम्पादकीय की भाषा एवं प्रस्तुति में हर संभव सावधानी बरती जायेगी।

जहाँ तक आपके सुझाव कि इन विषयों पर सम्मेलन या समाज विकास में चर्चा का प्रश्न है आप कृपया सहमत होंगे कि सम्पादकीय मे उठाये गये सभी विषय सम्मेलन के उद्देश्यों – समाज सुधार, राष्ट्रीय एकता एवं प्रगति तथा समरसता से जुड़े है।

आशा है आपका मार्गदर्शन समाज विकास को सदैव प्राप्त होगा।

आपकी इच्छानुसार आपका पत्र समाज विकास के इस अंक में प्रकाशित किया जा रहा है।

सादर, आपका

– संतोष सराफ, सम्पादक
समाज विकास

संगठन विस्तार अभियान सर्वोपरि

अपने पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने ८०वें वर्षगाँठ समारोह पर समाज विकास में प्रकाशित लेख में सारी बातें विस्तार से लिखी हैं, जो महत्वपूर्ण हैं। प्रान्तीय स्तर पर तथा अन्य स्तर से इस विषय पर पिछले अनेक वर्षों से चर्चा और लेख आ रहे हैं।

समाज विकास के जनवरी १७ के मासिक अंक में माननीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल ने अध्यक्षीय लेख में सही लिखा है कि सम्मेलन द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और सम्मेलन ने संगठन विस्तार अभियान को सर्वोपरि रखा है और इसके लिए पूरे राष्ट्र में सदस्यता विस्तार के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मेरी समझ से वर्तमान विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे को ही सर्वोपरि रखना चाहिए और यह फिजूलखर्ची की दीमक को रोकने से ही समाज संगठित रह पाएगा। अन्यथा समाज में विघटन हो रहा है वह और बढेगा ही। इसके लिए उच्च स्तर पर प्रबल इच्छा शक्ति की आवश्यकता है। समाज को इसी दिशा में सोचना और आगे बढना ही होगा।

इस दीमक की जड़ कोलकाता से शुरु हुई है और इसके लिए नेतृत्व भी कलकत्ता से शुरु करना होगा और दीमक की जड़ ही समाप्त कर देनी होगी।

क्षमा प्रार्थना करते हुए।

– **नारायण प्रसाद कोटरीवाला**
भागलपुर (बिहार)

चिट्ठी आई है

"समाज विकास" का फरवरी अंक प्राप्त हुआ। हम गौरव के साथ कह सकते है कि यह पत्रिका जिसमें हमारे अधिकारीगणों के उत्तम विचार हम सबों को सदैव प्राप्त हो रहे है एवं हमारी दिशा सही है, लक्ष्य स्पष्ट है, हम सब मिलकर सम्मेलन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में अवश्य सफल होंगे। यह उत्तम भावना श्रद्धेय प्रह्लादराय अगरवाला ने गणतंत्र दिवस पर की। सुप्रसिद्ध उद्योगपति समाजसेवी श्री सज्जन भजनका के शब्दों में यदि इरादे सही हो, त्याग की भावना हो तो किसी भी प्रकल्प के लिये संसाधनों की कमी नहीं होगी। उदाहरण में प्रत्यक्ष रूप में अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो एक निर्धन चायविक्रेता के पुत्र हैं, आज संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व कर रहे हैं। अपने अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि एक प्रवुद्ध समाज एवं वैचारिक संस्था से सम्वद्ध होने के कारण हम सब का उत्तरदायित्व और भी अधिक है। देश में धनी-निर्धन के बीच की खाई बढ़ती जा रही है और इसे पाटने के लिये हमारे प्रयास अनवरत चलते रहने चाहिये। समाज के कमजोर तबकों की ओर हमारा सहयोग का हाथ हमेशा बढ़ा रहना चाहिये। कहा गया है कि बाधायें वो डरावनी चीजें हैं जो आपको तब दिखती है जब आप अपनी निगाहें लक्ष्य से हटा लेते हैं। महामानवों का कहना है कि प्रत्येक क्षण का पूरा उपयोग करें। ईश्वर को अपने जीवन का ध्रुवतारा बनायें क्योंकि आपकी चेतना जितनी अधिक ईश्वर के साथ होगी, आपके अस्तित्व पर इस जगत की चुनौतियाँ उतना ही कम हावी होंगी। हम अपने सम्मेलन के प्रति आभार प्रगट करते हैं कि "समाज-विकास" पत्रिका द्वारा समय समय पर समाज को इंगित करते हुये समाज में फैली कुरीतियों, आडम्बर एवं फिजूलखर्ची को अधिक से अधिक कम करने में एक संकल्प लेने की प्रेरणा देती है। हमारे दृढ़ संकल्प से हम निश्चित रूप में आनेवाले भविष्य में अपने आपको पूर्ण रूप से सुधार पायेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

– **सत्यनारायण तुलस्यान**
मुजफ्फरपुर (बिहार)

Finely Edited & Printed

The February Issue was in my hand yesterday & could not resist going through the whole magazine in one go. Once again finely edited, nicely printed & above all displaying colourful pages to match the splendor & spectrum of colour. It vividly conveys the All India Activities of the Sammelan & various Sakhas.

I am thankful to you for printing informations & details of Jhunjhuna Pragati Sangh, Kolkata your associate Sanstha.

My warmest greetings & weartfelt compliments for bringing the Bulletin in true spirit which unites members.

– Narendra Tulsian
Secretary, Jhunjhunu Pragati Sangh,
Kolkata

व्यंग्य

मोबाइल

कलयुग में भगवान एक, खिलौनों बणायो।
दुनियावाला ई को नाम मोबाइल रखवायो।

मोबाइल रखवायो, खिलोणो अजब अनोखो।
धरती क इन्साना न यो, लाग्यो घणो चोखो।।

इन्सानासुं भगवनबोल्या, बात राखज्यो याद।
सोचसमझ वापरो, वरना होज्यासो बर्बाद।।

होज्यासो बर्बाद, चस्को लागेलो अति भारी।
ई के लारे पागल हो जावेली दुनिया सारी।।

सदउपोग करेजो कोई, काम घणोयो आसी।
दुर्पयोगजे होवण लाग्यो, टाबर बिगड़जासी।।

टाबर बिगड़ जासी, कोई की भी नहीं सुणेला।
'मोबाइल' में मगन रहसी, काम नहीं करेला।।

टाबरांकी छोड़ो, बडोड़ा की अक्कल जासी।
कामधंधा छोड़ बैठ्या मोबाइल मचकासी।

मोबाइल मचकासी और खेलसी दिनभर गेम।
व्हाट्सएप रे मैसेज मे ही, बीत जासी टेम।।

छोरियां और लुगायां लेसी इंटरनेट कनेकशन।
हाथांमें मोबाइल रखणो बणजावेलो फ़ैसन।।

बण जावेलो फ़ैसन, ए तो फेसबुक चलासी।
रामायण, कुरान और गीता पढणो भूलजासी।

अपणे अपणे मोबाइल मे, रहसी सगळा मस्त।
धर्मकर्म और रिश्तानाता, सबहो जासी ध्वस्त।

हे! प्रभु थारी आ लीला है घणी अपरम्पार
थें म्हानेबतावो, यो थांरो किस्यो है अवतार।।

अध्यक्षीय

पूर्वोत्तर में सम्मेलन की नींव गहरी

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मार्च महीने में दिनांक ४ से ६ तक मैंने असम का सांगठैनिक दौरा सम्पन्न किया। साथ में राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिवकुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका भी थे। सम्मेलन के प्रवीण सदस्य एवं राजनैतिक चेतना, संस्कार-संस्कृति एवं संविधान उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया का कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से अंतिम क्षणों में निरस्त करना पड़ा।

जोरहाट, नगांव एवं गुवाहाटी में स्थानीय शाखाओं ने सभाएँ आयोजित की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकारमल अगरवाला, पूर्वोतर प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसुदन सीकरिया एवं प्रांतीय संगठन मंत्री श्री अशोक अग्रवाल ने पूरे दौरे में हमारा साथ दिया। तीनों सभाओं में स्थानीय शाखाओं के सदस्यों के साथ साथ आस-पास के शाखाओं के सदस्यगण एवं समाज के स्थानीय संस्थाओं का भी उल्लेखनीय योगदान देखने को मिला।

सभी स्थानों में स्थानीय समाजबंधुओं से जो आत्मीयता एवं स्नेह मिला वह अवर्णनीय है। सभी जगह मैंने पाया कि समाज का नेतृत्व सबल हाथों में है। सामाजिक समस्याओं, कुरीतियों के प्रति जागरुकता देखने को मिली। खुशी की बात है कि वहाँ इन समस्याओं को दूर करने के लिए प्रयास भी चल रहे हैं। सभी क्षेत्रों में मैंने पाया कि स्थानीय समाजबंधु समरसता पर पूरा जोर देते हैं। स्थानीय भाषा, संस्कृति एवं लोगों के साथ ताल-मेल बैठाकर एक सुखद वातावरण बनाने में समाज सफल हुआ है। राजनैतिक चेतना की दृष्टि से भी समाज पूरा सचेष्ट है। विधानसभा के लिए तीन विधायक निर्वाचित हुए थे। सत्तारूढ़ एवं विरोधी दल दोनों में ही समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकारमल अगरवाला स्वयं असाम गण परिषद के सक्रिय कार्यकर्ता हैं एवं शिखर नेतृत्व से वे निरंतर संपर्क में हैं। जोरहाट, नगांव एवं गुवाहाटी सभी जगह समाज के प्रतिनिधि पार्षद निर्वाचित हुए हैं। सत्तारूढ़ दल के प्रांतीय कोषाध्यक्ष का पद भी समाज के प्रतिनिधि ही सुशोभित कर रहे हैं।

संगठन मजबूत करने के लिए व्यापक सदस्यता अभियान चलाने की आवश्यकता है। गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष से वार्तालाप के दौरान उन्होंने इसमें सक्रिय रूप से कदम उठाने का आश्वासन दिया। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके प्रयास सफल होंगे। सदस्यता अभियान में सफलता के बीज तो पूर्वोतर में रोपे जा चुके हैं। **रंगामाटी, पाठशाला एवं शिलांग में हर घर से एक सदस्य का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। यह एक अत्यंत ही अनुकरणीय उदाहरण है। मैं सभी प्रांतों के पदाधिकारियों से अनुरोध करूँगा कि सदस्यता अभियान को पूरे जोशो-खरोश के साथ चलायें।** पिछले महीनों में हमें कुछ सफलता मिली है, पर मंजिल अभी बहुत दूर है। हमने स्वयं से यह वादा किया है। राष्ट्रीय कार्यालय से लेकर सभी प्रांतों में यह कार्यक्रम चल रहा है। इसमें और गति लाने के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारित करके उसे हासिल करने के हर संभव प्रयास करने होंगे।

इस दौरे के दौरान एक उल्लेखनीय बात रही – सभी सभाओं में महिलाओं का सक्रिय योगदान। जिस समाज में महिलाओं का सम्मान होता है, जिस समाज में महिलायें सक्रिय रहती हैं, उस समाज में अपेक्षाकृत कुरीतियाँ एवं समस्याएँ कम होती हैं। गुवाहाटी महिला शाखा की सक्रियता एवं उनके सदस्यों का उत्साह देखते ही बनता था।

पूर्वोत्तर में सम्मेलन अपनी जड़ें जमा चुका है। इसका श्रेय पूर्ण रूप से अब तक के प्रांतीय नेतृत्व को जाता है जिन्होंने अपनी सूझ-बूझ एवं श्रम से सम्मेलन के पौधे को सींचा है। सम्मेलन समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोकर रखने में सफल हुआ है। संगठित समाज – सशक्त आवाज का उदाहरण पूर्वोत्तर में मौजूद है। इस पर और अधिक बल देने की आवश्यकता है। नींव गहरी है, अब, इमारत खड़ा करने की जरूरत है। इस विषय में प्रांतीय नेतृत्व प्रयत्नशील है। मैं उनके पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

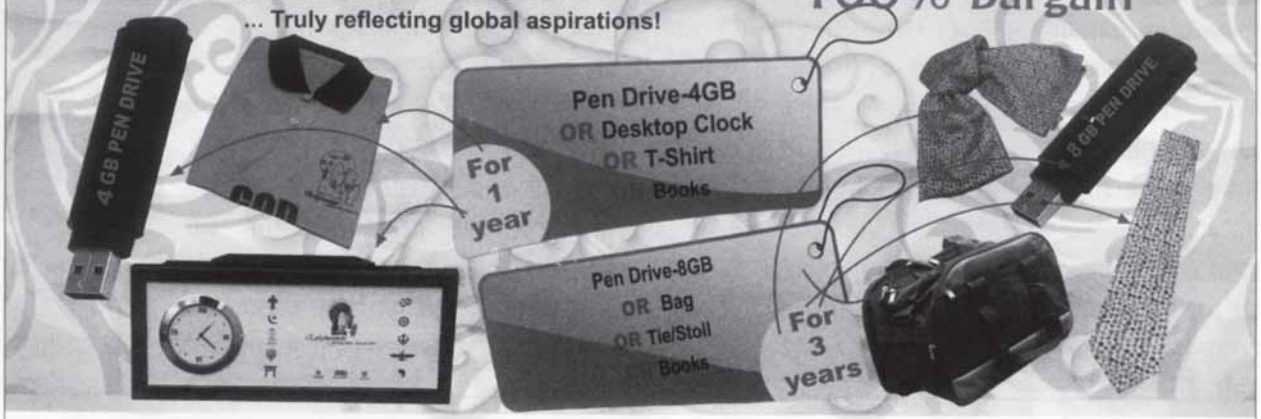

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

संगठन-विस्तार पर सभी ने जताया संतोष, भावी कदमों पर हुआ विचार-विमर्श

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक गत ०२ मार्च २०१७ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के सभापतित्व में आयोजित की गयी। श्री अगरवाला ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। संगठन विस्तार की प्रगति पर

संतोष जताते हुए उन्होंने स्थायी समिति के उपस्थित सदस्यों से कम से कम १० नये सदस्य बनाने का अनुरोध किया और सम्मेलन के कार्यकलापों एवं भावी दृष्टि पर अपने विचार रखने का अनुरोध किया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने वर्तमान सत्र में सम्मेलन के संगठन विस्तार की गति एवं सम्बद्ध संस्थाओं की बढ़ती संख्या पर हर्ष व्यक्ति किया। उन्होंने कहा, "सम्बद्ध संस्थाओं को जोड़ना ही पर्याप्त नहीं होगा, इन संस्थाओं के साथ मिलकर सक्रिय रूप से कार्य करने के लिये उचित कार्यक्रमों का निर्धारण भी आवश्यक है। साथ ही, युवा मंच एवं महिला सम्मेलन को सम्मेलन के संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम के साथ जोड़ना चाहिए।"

श्री सीताराम शर्मा ने स्थायी समिति की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रस्ताव रखा कि समिति के बैठकों की आवृति बढ़ाई जाय। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि स्थायी समिति की बैठक हर दो महीनों में एक बार हो।

बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (२९ जुलाई २०१६; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति

से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला के सुझाव पर यह निर्णय लिया गया कि सम्मेलन की उपसमितियों के चेयरमैन/संयोजक स्थायी समिति की हर बैठक में अपनी उपसमिति की प्रगति पर रपट रखें।

सम्मेलन की राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि युवा मंच एवं महिला सम्मेलन को भी अपने राजनैतिक चेतना के कार्यक्रमों में शामिल करना चाहिए। **श्री बिनोद सराफ** ने सलाह दी कि शाखाओं को सक्रियता हेतु पुरस्कृत करना चाहिए जिससे और शाखाएँ भी प्रोत्साहित होंगी।

श्री प्रमोद गोयनका ने कहा कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का शाखाओं के साथ कोई समन्वय नहीं

है। श्री सीताराम शर्मा ने सलाह दी कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका की तीन-सदस्यीय समिति इस विषय पर प्रांतीय पदाधिकारियों से विचार-विमर्श कर शीघ्रता से भावी कदम निर्धारित करे, जिसे स्वीकार किया गया।

सम्मेलन की वैवाहिक परिचय उपसमिति के चेयरमैन **श्री ऋषि बागड़ी** ने उपसमिति के कार्यकलापों एवं प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि परिचय कार्यक्रम गति पकड़ रहा है। उन्होंने सूचना दी कि कार्यक्रम के माध्यम से अब तक चार सगाइयाँ हो चुकी हैं। श्री नंदलाल सिंघानिया ने वैवाहिक परिचय की कानूनी पहलुओं पर कुछ सुझाव दिए एवं राजनैतिक चेतना हेतु एक सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। निर्देशिका उपसमिति के चेयरमैन **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** ने बताया कि नई निर्देशिका के प्रकाशन हेतु आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।

श्री ओम लड़िया ने कहा कि वे समाज सुधार एवं राजनैतिक चेतना के क्षेत्र में सम्मेलन की गतिविधियों से जुड़ना चाहेंगे। श्री सीताराम शर्मा के प्रस्ताव पर उन्हें सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति एवं राजनैतिक चेतना उपसमिति का सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया। **श्री विश्वनाथ सिंघानिया** ने सुझाव दिया कि समाज विकास पत्रिका स्कूलों एवं कॉलेजों को भेजी जाय। उन्होंने पत्रिका में महिलाओं/बच्चों हेतु स्तम्भ सम्मिलित करने की राय भी दी।

संगठन महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने संगठन से सम्बंधित मुद्दों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने गत १८-१९ फरवरी २०१७ को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी साथ अपने छत्तीसगढ़ दौरे पर संक्षिप्त रपट भी प्रस्तुत की।

समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सराफ** ने वैवाहिक कार्यक्रमों में बढ़ते आडम्बर एवं मद्यपान की प्रवृति पर चिंता व्यक्त की। श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि यह चिन्ता एवं चिंतन का विषय है। उन्होंने कहा कि इन खामियों और बुराइयों के विरूद्ध चेतना एवं जागृति के लिये विचार गोष्ठी एवं प्रचार संसाधनों के माध्यम से समाज में जागरूकता पैदा करनी होगी।

अंत में, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश जैन, सर्वश्री संदीप सेक्सरिया, राधाकिसन सफ्फड़, आत्माराम सोन्थालिया, राम निवास शर्मा 'चोटिया', राजेश कुमार पोद्दार, संजय अग्रवाल, रवि लोहिया** आदि उपस्थित थे।

समाचार सार

आज भी प्रवासी अपने घरों में राजस्थानी बोलते हैं : रामअवतार पोद्दार

गत ५ मार्च २०१७ को प्रयास संस्थान द्वारा चूरू, राजस्थान में आयोजित एक समारोह में **कुमार अजय** के राजस्थानी कविता संग्रह **'ऊभौ हूं अजै'** और **उम्मेद गोठवाल** के राजस्थानी कविता संग्रह **'पेपली चमार'** का लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि आज भी प्रवासी अपने घरों में राजस्थानी बोलते हैं। मातृभाषा के साहित्य की समृद्धि के लिए प्रयास संस्थान की ओर से किया जा रहा काम स्तुत्य है। इस अवसर पर सम्मेलन द्वारा राजस्थानी भाषा और साहित्य की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा की।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थानी के दिग्गज लेखक **पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश देवल** ने दोनों ही पुस्तकों को राजस्थानी साहित्य के लिहाज से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ये दोनों रचनाकारों के संवेदना की उपज है और सामाजिक विद्रूपताओं और विसंगतियों को लेकर बहे उनके आँसू हैं।

समारोह में विशिष्ट अतिथि साहित्यकार **मालचंद तिवाड़ी** ने कहा कि कविता की पहली कसौटी उसका कविता होता है तथा दोनों ही कृतियाँ इस कसौटी पर खरी उतरती है।

प्रयास संस्थान के अध्यक्ष **दुलाराम सहारण** ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में श्री रामअवतार पोद्दार व चित्रकार रामकिशन अडिग का अभिनंदन भी किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार **भंवर सिंह सामौर** ने आभार जताया। संचालन **कमल शर्मा** ने किया। समारोह में अंचल के अनेक साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवी आदि मौजूद थे।

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING. STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectcrs :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI
BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Projec Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO - Equipment Bank | Insurance Broking

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

असम डायरी

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

विगत ४ मार्च को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लादराय अगरवाला के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल पूर्वोत्तर का दौरा जोरहाट से प्रारंभ हुआ। जोरहाट हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत करने जोरहाट शाखाध्यक्ष श्री बाबुलाल गगड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकारमल अगरवाला, पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसुदन सीकरिया, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री अशोक अगरवाल, शाखा मंत्री श्री अनिल केजड़ीवाल, श्री जुगल किशोर सिंघी एवं अन्य उपस्थित थे। हवाई अड्डे से बाहर निकलकर दोनों ओर स्थित चाय बगान के नजारे का आनंद लेते हुए हमारे काफिले ने शहर में प्रवेश किया।

सायंकाल शहर के व्यस्त इलाके में स्थित ठाकुरबाड़ी में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। ठाकुरबाड़ी जोरहाट के सामाजिक परिवेश में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। करीब ३ बीघा भूमिखंड में मारवाड़ी समाज के विभिन्न समुदायों के अपने-अपने भवन एक ही परिसर में स्थित हैं। करीब सात-आठ भवन एक साथ होने से उनकी गरिमा ही अलग हो जाती है। साथ ही साथ, अलग होते हुए भी एकता का संदेश देती हैं। अभिनंदन समारोह में उपस्थिति अच्छी थी। महिलाओं की उपस्थिति उत्साहजनक थी। आस-पास से, दूर-दराज से अन्य शाखाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

जोरहाट की चर्चा श्री ओमप्रकाश गट्टानी का उल्लेख किये बिना सम्पूर्ण नहीं होगी। साहित्य, कला एवं व्यापार तीनों क्षेत्रों में उनकी पकड़ है। जोरहाट पर उन्होंने दो पुस्तकें लिखी हैं। असमिया साहित्यिकों ने दोनों ही पुस्तकों का स्वागत किया है। इस बार वे शहर में नहीं थे। इसलिये उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। जोरहाट शाखा ने हाल ही में एक त्रैमासिक पत्रिका 'अवलोकन' का प्रकाशन प्रारम्भ किया है। प्रकाशित पत्रिका से एवं विचारों से शाखा एवं समाज की सजगता एवं सक्रियता का पता चलता है। सम्पादक श्री अनिल केजड़ीवाल एवं उनके सहयोगी श्री शंभुदयाल शर्मा धन्यवाद के पात्र हैं। इस प्रकार के प्रकाशन करने के लिए आवश्यक लगन एवं परिश्रम का मुझे अंदाजा है।

नगांव में आयोजित अभिनंदन समारोह का अपना अंदाज था। शाखाध्यक्ष श्री जुगलकिशोर जाजोदिया नगांव के प्रवीण नागरिकों में से हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ उनका पारिवारिक संबंध भी है। स्थानीय मारवाड़ी पंचायत भवन में आयोजित समारोह में उपस्थिति उत्साहवर्द्धक थी। महिलाओं ने उत्साह के साथ समारोह में भाग लिया। उनके द्वारा गाया गया स्वागत गीत प्रभावशाली था। समारोह में शहर के प्रवीण व्यापारी एवं समाजसेवी श्री सांवरमल खेतावत का अभिनन्दन किया गया। श्री खेतावत समाज के अनेक संस्थाओं की तन-मन-धन से सेवा करते आ रहे हैं। सभास्थल में एकत्रित समाज बंधुओं ने स्वतःस्फूर्त भाव से तालियों की गड़गड़ाहट के द्वारा उनके अभिनंदन का समर्थन किया। सभा में एक महिला का सम्मान भी किया गया, जिन्होंने पति के निधन के पश्चात विषम परिस्थितियों का मुकाबला करते हुए स्वावलम्बी बनकर अपने बच्चों के भरण-पोषण में सफलता हासिल की। वास्तव में नारी सशक्तिकरण का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही कार्यकर्त्ताओं का सम्मान किया गया, जो अत्यावश्यक है। अक्सर यह देखा गया है कि कार्यकर्ता अपना बहुमुल्य समय देकर समाज-संस्था की सेवा करते हैं, पर उनकी भूमिका को महत्व नहीं दिया जाता। शायद यह भी एक कारण है कि समाज में आज उत्साही कार्यकर्ताओं की कमी नजर आ रही है। नगांव शाखाध्यक्ष जुगलकिशोरजी ने पूरे समारोह का अत्यंत ही कुशल संचालन किया। उस सभा में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि आत्मीयता के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत एवं सम्मान करने पूरा समाज ही उमड़ कर आ गया है। पूरा समारोह ३ घंटे तक चला। उपस्थिति उत्तरोत्तर बढ़ती गई। स्वागत एवं सम्मान से अभिभूत राष्ट्रीय अध्यक्ष को कहना पड़ा कि आज जो मुझे प्यार एवं स्नेह मिला, उनको व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। नगांव शाखा के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सभी समाजबंधु बधाई के पात्र हैं। निश्चय ही सम्मेलन की उन्नत शाखाओं से है एक नगांव शाखा। पिछले दौरे पर भी श्री माणक चंद नाहटा के नेतृत्व में उल्लेखनीय ढंग से सभा आयोजित की गई थी। उसी गरिमा को आगे बढ़ाते हुए शाखा ने अपना झंडा और अधिक ऊँचा करने में सफलता हासिल की है।

तीसरे दिन गुवाहाटी में प्रातःकाल श्री मधुसुदन जी सिकरिया, श्री विकास जैन एवं श्री के. आर. चौधरी के साथ माँ कामाख्या के दर्शन किये। ऊँची पहाड़ी पर सुरम्य वातावरण में माता का मंदिर अवस्थित है। लौटते वक्त गुवाहाटी स्थित

श्री गौहाटी गौशाला का परिदर्शन किया। इस संस्था ने पिछले वर्ष ही अपना शताब्दी वर्ष का पालन किया है। गौशाला के अध्यक्ष श्री रामगोपाल हरलालका एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के दौरान यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि गौशाला में लागत व्यय के लिए समाज बंधुओं की ओर से पूरी व्यवस्था होती है। दूधवती गायों से अधिक ठाठ-गायों की यहाँ सेवा होती है। गौशाला सुचारू रूप से संचालित है। उच्च स्तर की साफ-सफाई है। गौशाला समाज के लिए आदर्श है एवं बुजुर्गों की परिपाटी को सुंदरतापूर्वक निभाया जा रहा है। गोशाला के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बधाई के पात्र है।

अपराह्न ३ बजे स्थानीय ऋतुराज होटल में गुवाहाटी, कामरूप एवं गुवाहाटी महिला शाखा की ओर से अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। गुवाहाटी शाखाध्यक्ष श्री राजकुमार रिंगानिया, कामरूप शाखाध्यक्ष श्री संपत मिश्रा एवं गुवाहाटी महिला शाखाध्यक्ष सुश्री मंजु पटनी के सफल प्रयास से सभा प्रभावशाली रही। चूकि सायंकाल ही हमें लौटना था, इसलिए समय की बाध्यता थी। फिर भी उपस्थिति संतोषजनक थी। महिलाओं की उपस्थिति उत्साहवर्द्धक थी। समाज एवं सम्मेलन के विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि पूर्वोत्तर के अनेक भागों में सम्मेलन सक्रिय है। समाज को एक सूत्र में बाँधने की सफलतापूर्वक काम कर रहा है। नये सदस्य बनाने पर सभी जगह चर्चा हुई। पूर्वोत्तर द्वारा संचालित सदस्यता अभियान 'हर घर न्यूनतम एक सदस्य' के अंतर्गत नये सदस्य बनाने में गति आ रही है।

वर्त्तमान में प्रांत मे ५८ शाखायें हैं। इनमे से ६ महिला शाखाएँ है। पूर्वोत्तर मे असम की नींव बहुत पुरानी है। वृक्ष की जड़ें जितनी गहरी होती है, उतना ही वह मजबूत होता है। शाखाएँ एवं प्रशाखायें बढ़ती है। यह उपयुक्त समय है कि पूर्वोत्तर प्रांत के पदाधिकारीगण नये सदस्य एवं नये शाखाओं का विस्तार करने में अपनी उर्जा लगायें। शिलांग में शाखा का गठन हो जाने से असम के बाहर मेघालय में भी सम्मेलन का पदार्पण हुआ है। पदाधिकारियों ने अपने कार्यकाल में लगन एवं निष्ठा के साथ श्रम करते हुए सफलता हासिल की है। अनेक जगहों में नये सदस्य बनाने की अत्यधिक संभावनाएँ एवं अवसर हैं। इन संभावनाओं को कार्यरूप मे परिणित करना होगा।

दौरे के सभी शहरों में उत्सावर्द्धक जागरूकता देखने को मिली।

'हर घर न्यूनतम एक सदस्य'

समाज को संगठित करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने पूर्वोत्तर प्रांत में एक कार्यक्रम हाथ में लिया है जिसका नाम रखा गया है 'हर घर न्यूनतम एक सदस्य'। इसे एक अभियान के तौर पर ग्रहित करते हुए प्रांत में स्थित सभी शाखाओं से अपने स्थानीय स्तर पर समाज के प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य को सम्मेलन का सदस्य बनाने का आह्वान किया गया है। कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता भी मिली है। वर्तमान में प्रांत की तीन शाखाओं (पाठशाला, रंगामाटी व शिलौंग) ने इस अभियान में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। इन शाखाओं ने स्थानीय स्तर पर अपने समाज के जितने परिवार हैं उससे भी कहीं अधिक संख्या में सदस्य बनाने का श्रेय हासिल किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाठशाला में लगभग ३५ परिवार हैं परंतु पाठशाला शाखा ने प्रत्येक घर से एक सदस्य तो बनाया ही है साथ ही कुछ घर के दो या तीन सदस्यों ने भी सम्मेलन की सदस्यता हासिल की है। वर्तमान में पाठशाला शाखा की कुल सदस्य संख्या ४५ है। इसी प्रकार रंगामाटी में अपने समाज के ३२ घर हैं व रांगामाटी शाखा ने कुल ५० सदस्य बनाए हैं। मेघालय की राजधानी शिलौंग में अपने समाज के लगभग ७०० परिवार हैं और शिलौंग शाखा ने कुल ११२३ सदस्य बनाए हैं। पूर्वत्तर प्रांत में वर्तमान में छः महिला शाखाएँ हैं। गुवाहाटी महिला शाखा में ६०० से भी अधिक सदस्याएँ हैं। इसी प्रकार सम्मेलन के गुवाहाटी शाखा में लगभग १२०० सदस्य हैं और इस शाखा की खासियत यह है कि इसके सभी सदस्य आजीवन सदस्य हैं। पूर्वोत्तर प्रांत में वर्तमान में कुल ५८ शाखाएँ हैं जिनमे से ४२ शाखाओं ने समय पर अपनी कार्यकारिणी समिति के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न करा ली है।

प्रांत में स्थित महिला शाखाएँ : मारवाड़ी सम्मेलन

१) धेमाजी महिला शाखा
२) शिलौंग महिला शाखा
३) गुवाहाटी महिला शाखा
४) उत्तर लखीमपुर महिला शाखा
५) बरपेटा रोड महिला शाखा
६) तिनसुकिया महिला शाखा

– मधुसुदन सीकरिया

राष्ट्रीय पदाधिकारियों का जोरहाट दौरा, विभिन्न संगठनों ने किया अभिनंदन

परिवर्तन की बयार में संस्कार प्रभावित न हो : प्रह्लाद राय अगरवाला

परिवर्तन संसार का नियम है। बदलाव हर दौर में होता रहता है, लेकिन बदलाव में संस्कार प्रभावित नहीं होने चाहिए। यदि संस्कार प्रभावित हुए बिना बदलाव हो रहे हैं तो उसे स्वीकार करने में कोई एतराज नहीं होना चाहिए। मारवाड़ी सम्मेलन में भी बदलाव का दौर चल रहा है, लेकिन ध्यान इस बात का रखना होगा कि इस बदलाव में सम्मेलन अपने लक्ष्य और उद्देश्य से न हटे। यह बात अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला ने अपने जोरहाट दौरे के मौके पर कही। मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा नगर के श्रीमारवाड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर स्थित जैन भवन में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी

बल्कि गर्वबोध करना चाहिए, क्योंकि देश के विकास में मारवाड़ियों का योगदान सर्वविदित है। श्री अगरवाला ने सम्मेलन की मजबूती के लिए प्रांतों को सशक्त करने पर जोर देते हुए कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन सामाजिक समस्या के समाधान के साथ ही संस्कार, संस्कृति और चेतना के लिए कार्य करता है।

मारवाड़ी सम्मेलन एक विचार प्रधान संगठन होने के साथ ही संस्कार निर्माण का कार्य़ भी करता है। श्री अगरवाला ने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोग हर समाज के साथ आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जैसे दूध में चीनी। उन्होंने कहा कि किसी को स्वयं को मारवाड़ी कहने में कुंठाबोध नहीं प्रांतों में बसता है। अपने संबोधन में उन्होंने मारवाड़ी सम्मेलन को प्रांतीय स्तर पर नेतृत्व देने के लिए स्व. मोहनलाल मालपानी, स्व. कन्हैयालाल बाकलीवाल, स्व. रामचंद्र मालपानी को याद करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का अपना स्वर्णिम इतिहास रहा है। जोरहाट शाखा के आतिथ्य से अभिभूत होते हुए उन्होंने कहा कि जोरहाट के लोगों का प्यार दिल को छूने वाला है। समारोह में महिलाओं की उपस्थिति को उन्होंने अन्य जगहों के लिए उदाहरण करार दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि

सम्मेलन में प्रत्येक घर से एक व्यक्ति को सम्मेलन का सदस्य बनाने के लक्ष्य को हासिल किए जाने से न केवल सम्मेलन मजबूत होगा, बल्कि समाज की सभी समस्याओं का भी समाधान होगा। इस दौरान उन्होंने रंगामाटी आंचलिक शाखा का विशेष रूप से सम्मानित किया, जिसने ३२ परिवारों के बीच सम्मेलन के ५० सदस्य बनाए।

इससे पूर्व मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट के अध्यक्ष बाबूलाल गगड़, मंत्री अनिल केजड़ीवाल व मंडल 'ख' के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पारंपरिक फूलाम गमछा, शाल, जापी और असम के प्रतीक चिन्ह गेंडा भेंट कर स्वागत सम्मान किया। इस दौरान सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका, प्रांतीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल, मंडल 'ख' के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, जोरहाट शाखा के अध्यक्ष बाबूलाल गगड़, मंत्री अनिल केजड़ीवाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की जोरहाट शाखा की अध्यक्ष बिमला मोर, मारवाड़ी युवा मंच, जोरहाट के अध्यक्ष ज्योति कुमार सिंघी मंच पर विराजमान थे। समारोह के आरंभ में जोरहाट शाखा के अध्यक्ष बाबूलाल गगड़ ने स्वागत भाषण पेश किया।

समारोह को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अगरवाला ने कहा कि मारवाड़ी समाज अब तक रक्षात्मक तरीके से रह रहा था, लेकिन समय की माँग है कि हम आक्रामक तरीके से कार्य करें। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने दूसरों की सेवा बहुत कर ली, लेकिन अब वक्त आ गया है कि अन्य की सेवा करने से पहले अपने समाज की सेवा करें। समारोह को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया ने कहा कि सम्मेलन की ऊपरी असम की शाखाओं ने सम्मेलन को मजबूती प्रदान की। राष्ट्रीय महामंत्री शिवकुमार लोहिया ने कहा मारवाड़ी सम्मेलन एक छतरी है और समाज की अन्य सभी संस्थाएँ इसके अंदर हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी लोगों की छवि ऐसी बनी हुई है कि सभी को विश्वास रहता है कि मारवाड़ी इस काम को कर सकेगा। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है असम में तीन-तीन मारवाड़ी विधायकों का चुना जाना, जो मारवाड़ी बहुल क्षेत्र से न होने के बावजूद जीते। वजह सिर्फ यह थी कि लोगों को मारवाड़ी समाज पर विश्वास है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की मजबूती के लिए जरूरी है कि हर घर से कम से कम एक व्यक्ति सम्मेलन का सदस्य हो।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लक्ष्य के साथ काम करने वाली मारवाड़ी सम्मेलन को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने जोरहाट के मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर की सराहना करते हुए इसे सर्व समुदाय सद्भाव का केंद्र स्थल बताया। इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका ने कहा कि जिस तरह हम जीवन बीमा करवाकर स्वयं के कमाये हुए पैसों से बीमा का प्रीमियम देते हैं ताकि भविष्य मे कोई आनहोनी होने पर परिवार आर्थिक मुश्किल मे न पड़े, उसी तरह बच्चो की चिंता करते हुए उन्हें संस्कारी बनाना चाहिए, नहीं तो वह पैसा कोई काम नही आयगा। उन्होंने कहा कि भाषा और भूमि का ज्ञान ही संस्कार है। प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल ने प्रांत की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वहीं मंडल 'ख' के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने अपने संबोधन में मंडल 'ख' की गतिविधियों का खाका प्रस्तुत किया। इस दौरान नगर की विभिन्न सामाजिक व सांस्कृतिक संगठनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया। इनमें अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रबंधन समिति, अग्रवाल सभा, माहेश्वरी सभा, दिगंबर जैन पंचायत, श्वेतांबर जैन तेरापंथी सभा, पारीक सभा, दाधीच सभा, ज्ञान मंडल, जागृति महिला मंच शामिल थीं।

वहीं नगर के छह नंबर वार्ड के पार्षद अंकुर गुप्ता ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया। अभिनंदन समारोह में मारवाड़ी सम्मेलन की मरियानी शाखा, रंगामाटी आंचलिक शाखा, बरहोला शाखा, टिपोक आंचलिक शाखा, गोलाघाट शाखा व तिनसुकिया शाखा के पदाधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया। सभा के आरंभ में राजकुमार पोद्दार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के जीवन परिचय का पाठ किया। सम्मान कार्यक्रम का संचालन राजेश पाटनी ने किया एवं अभिनंदन समारोह का संचालन मंत्री अनिल केजड़ीवाल ने किया।

नगांव में राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य सम्मान समारोह

संयुक्त परिवार जैसा लगता है यहाँ का परिवेश : प्रह्लाद राय अगरवाला

"जब प्रयत्न दृढ़ हों तो उनकी ऊँचाई बढ़ जाती है और बाधाएँ समाप्त हो जाती हैं।" ये बातें अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला ने नगांव के पंचायत भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने समाज को जगाते हुए कहा कि नगांव ने दिल को छूने वाला प्यार हमें दिया है और साथ ही महिला समाज को आगे ले जाने के लिए काम कर रहा है, जो अपने आप में सराहनीय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अगरवाला ने कहा कि सम्मेलन शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम कर रहा है और संस्कार के लिए संस्कार समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि हम यदि संगठित होंगे तो किसी भी प्रकार की बाधाएँ हमारे सामने टिक नहीं पाएगी। परस्पर प्रेम, महिलाओं की सक्रियता एवं भावविह्वल कर देने वाले स्वागत से प्रभावित होकर श्री अगरवाला ने कहा कि मेरे पास भावनाओं को व्यक्त करने के शब्द नहीं हैं। पूरा समाज ही मुझे संयुक्त परिवार जैसा लगता हैं। श्री अगरवाला के नगांव आगमन पर मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा की ओर से मारवाड़ी पंचायत भवन में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला का नगांव शाखा की ओर से फुलाम गामोछा, जापी तथा फूलों का गुलदस्ता भेंटकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी प्रह्लाद राय तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकारमल अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री

संजय हरलालका, प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, पूर्वोत्तर संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग मंच पर उपस्थित थे। नगांव शाखा के अध्यक्ष जुगल किशोर जाजोदिया की अध्यक्षता

में चले इस सम्मान समारोह में शाखा सचिव संजय मित्तल ने प्रतिवेदन का पाठ किया, वहीं अजित माहेश्वरी ने मंच का सफल संचालन किया। खचाखच भरे समाज के लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण में जुगल किशोर जाजोदिया ने समाज में चेतना भाव को जगाने के उद्देश्य से कहा कि शादी-ब्याह के अवसर पर फिजूल खर्च पर लगाम लगाएँ और पैसे की बचत करते हुए उस पैसे को समाजहित में लगाएँ क्योंकि देश के १२० करोड़ आबादी में ८० करोड़ लोग आज भी भूखे सोते है। उन्होंने समाज से नियम - नीति को सरलीकरण करने का अपने भाषण के माध्यम से अपील की। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर समाजसेवी सांवरमल खेतावत सपत्नीक को सम्मान-पत्र और फुलाम गामोछा भेंटकर सम्मानित किया गया। वहीं समारोह में कुसुम पारख को नारी शक्ति सम्मान से नवाजा गया। इसी कड़ी में अच्छे कार्य करने हेतु सुरेश शर्मा, रतन जाजोदिया, प्रवीण अग्रवाल, दिलीप शोभासरिया तथा ओम प्रकाश जाजोदिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा फुलाम गामोछा से सम्मान किया गया। प्रांतीय संगठन मंत्री श्री अशोक अग्रवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रांत की नगांव शाखा अपने–आप में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बुजुर्गों से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा मारवाड़ी समाज से प्रत्येक सदस्य को सम्मेलन की सदस्यता लेने के लिए आगे आना चाहिए। राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका ने कहा कि अपने समाज के लोगों को ही सम्मेलन के हित में काम करना होगा। समाज में पुरुष वर्ग को नारी शक्ति से यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि एक नारी एक परिवार को किस प्रकार बाँधे रखती है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों को संस्कार दिये जाने की अति आवश्यकता है। आप कितना भी धन जोड़ लें किन्तु बच्चों मे संस्कार न देने से सारा धन बेकार हो जायेगा। उन्होंने कहा कि बच्चे को उपहार न दिये जाने पर बच्चा कुछ देर रोयेगा, किन्तु संस्कार नही दिये जाने पर जिंदगी भर रोयेगा। राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि सम्मेलन अपने १९३५ के शुरुआती दौर से आज तक राजनैतिक चेतना, समाज सुधार, नारी शिक्षा, विधवा विवाह के मामले में अग्रसर है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि समाज सम्मेलन के सदस्यता बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हो। श्री लोहिया ने अपने भाषण में कहा कि हमारी आवाज एक हो। राष्ट्रीय गान से समारोह का समापन हुआ।

कविता

कठै गया वे गाँव आपणा
कठै गयी वे रीत।
कठै गयी वे मिलनसारिता,
गयो जमानो बीत।।

दुःख दर्द की टेम घडी में
काम आपस मै आता।
मिनख सूं मिनख जुड्या रहता,
जियां जनम जनम नाता।

तीज त्यौहार पर गाया जाता,
कठै गया वे गीत।।
कठै गयी वा मिलनसारिता,
गयो जमानो बीत।।

गुवाड़-आंगन बैठ्या करता,
सुख-दुःख की बतियाता।

– संकलित

गुवाहाटी में अभिनंदन समारोह

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं हमारे युवा : प्रह्लाद राय अगरवाला

हमारी युवा पीढ़ी बहुत टैलेंटेड है। व्यापार औऱ उद्योग में हमारे समाज की विरासत को आगे बढ़ा रही है। आनलाइन कामर्स में भी हमारे युवाओं ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। फ्लिपकार्ट और मयंत्रा के बंसल बंधु, ओला कैब के भाविश अग्रवाल व ओयो रूम्स के रितेश अग्रवाल कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जो यह साबित करते हैं कि व्यापार-वाणिज्य के बदलते ट्रेंड के साथ हमारी युवा पीढ़ी बखूबी तालमेल बैठा रही है। यह बहुत खुशी की बात है। ये बातें गुवाहाटी में आयोजित अभिनंदन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लादराय अगरवाला ने अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने व्यापार जगत में ऐसी प्रतिष्ठा कायम की है कि देश भर में यह कहावत मशहूर हो गई कि न खाता न बही, मारवाड़ी बोले वही सही। अगरवाला ने कहा कि हमारे सामने इस प्रतिष्ठा को कायम रखने की चुनौती है। गुवाहाटी में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका के सम्मान में एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा एवं महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

अपने संबोधन में राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने संगठन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला पूरे परिवार को शिक्षित कर सकती है। श्री लोहिया ने अपने संबोधन मे सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सधन अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस मौके पर मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री शिवकुमार लोहिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य ओमप्रकाश खंडेलवाल, प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया, महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी तथा आयोजक शाखाओं के अध्यक्ष व मंत्री उपस्थित थे। कार्यक्रम में भारी संख्या में समाजबंधुओं ने शिरकत की।

सम्मेलन की तीनों शाखाओं के अलावा

श्री गौहाटी गौशाला के अध्यक्ष रामगोपाल हरलालका एवं मंत्री दीनदयाल सिवोटिया, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष रितेश खटेड़, सम्मेलन की नवगठित सिलचर शाखा के अध्यक्ष मूलचंद बैद, शिलोंग से आए प्रांतीय संयुक्त मंत्री पवन शर्मा, तिनसुकिया शाखा व रंगिया शाखा के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया।

समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजबंधुओं का भी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सम्मान करवाया गया। सम्मेलन समाज के उन लोगों को मान्यता देने का आग्रही रहा है, जिन्होंने अपनी लगन, निष्ठा व समर्पण से विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम ऊँचा किया हो। इस कड़ी में लब्धप्रतिष्ठित वयोवृद्ध समाजसेवी प्रभुदयाल जालान, समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रदीप धड़ेच, रचनाकार और नामचीन लेखक सांवरमल सांगानेरिया एवं युवा नेता, भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय कोषाध्यक्ष तथा एनआरएल के निदेशक राजकुमार शर्मा का अभिनंदन किया गया।

सभा को प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी, युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेड़, समाजसेवी प्रभुदयाल जालान व कामरूप शाखा के प्रदीप जैन ने संबोधित किया। सभा का संचालन कार्यक्रम संयोजक संजय मोर एवं अजय अग्रवाल ने किया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका ने मारवाड़ी भाषा में दिये गये अपने वक्तव्य में कहा कि समाज सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिये महिलाओं एवं युवाओं को आगे लाना होगा। उन्होंने कहा कि विवाह समारोहों में महिलाओं द्वारा सड़कों पर किया जाने वाला नृत्य एक भौड़ा प्रदर्शन है।

AT
ANU®
SAREES

आडम्बर, फिजूलखर्ची से रहें दूर : सुदर्शन बिड़ला

सम्मेलन के होली प्रीति मिलन में उमड़ा समाज

कवियों ने हास्य-व्यंग्य से गुदगुदाया, झुमाया

"सोने री धरती जठै, चाँदी रो असमान, रंग-रंगीलों रस भरयो, म्हारो राजस्थान। राजस्थान के स्वर्णिम इतिहास एवं संस्कृति का हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए और आडम्बर तथा फिजूलखर्ची से मारवाड़ी समाज को दूर रहने का यथासम्भव प्रयास करना चाहिए।" ये उद्‌गार हैं सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला** के जो गत १३ मार्च २०१७ को बालीगंज पार्क, कोलकाता स्थित गणपति राजेश बैंक्वेट हॉल में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होली प्रीति मिलन समारोह में प्रधान अतिथि के रूप में वक्तव्य दे रहे थे। श्री बिड़ला ने कहा कि **'परहित सरिस धरम नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई'** मारवाड़ियों का मूलमंत्र है। उन्होंने 'बिग फैट इंडियन वेडिंग' की चर्चा भी की और कहा कि हर प्रकार से खर्च को सीमित रखने का प्रयास होना चाहिए।

अपने स्वागत वक्तव्य में सभी उपस्थितों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सबको होली की बधाई दी और होली को प्रेम के रंग में रंगने का त्योहार बताया। श्री अगरवाला ने सम्मेलन के कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताया और संगठन-विस्तार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसके लिए सक्रिय प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक सदस्य सम्मेलन का सदस्य अवश्य हो, यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। समाज के युवक-युवतियों की शिक्षा एवं व्यापार आदि क्षेत्रों में प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री अगरवाला ने इन्हें अपनी सभ्यता-संस्कृति के प्रति जागरूक रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि रंग-रंगीला पर्व होली पारस्परिक सम्बंधों के सेतु को, आपसी मिठास को, अधिक से अधिक दायरा प्रदान करता हैं। आपसी सम्बंधों के साथ-साथ होली समरसता के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण उत्सव है। श्री शर्मा ने सम्मेलन के इतिहास, उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों पर भी चर्चा की एवं सम्मेलन के कार्यक्रमों में बिड़ला परिवार के उदारचित्त सहयोग के कई उपाख्यान सुनाये।

समारोह के प्रारम्भ में **श्री रमेश कुमार शर्मा** ने सधे सुरों में स्वागत-गीत **'म्हारा सजन सनेही काईं मनुवार करां, थाँकी घणी मनुवार करां'** प्रस्तुत किया। समारोह का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने 'संगठित समाज – सशक्त आवाज' की बात कही। उन्होंने उपस्थित समाजबंधुओं से अनुरोध किया कि वे सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनायें। सम्मेलन पूरे समाज का है एवं उसको

सशक्त करना सभी की जिम्मेदारी है।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय कुमार डोकानियाँ** ने कहा कि होली पुराने वैर-भाव भुलाकर सबको गले लगाने का त्योहार है। यह पुरानी बातें 'हो ली', **बीति ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेहु** का संदेश देती है।

समारोह का विशेष अकर्षण रहा राष्ट्र-स्तरीय कवियों – **सुश्री गौरी मिश्रा, सर्वश्री अरुण जैमिनी, सुनील जोगी** एवं **रामबाबू सिकरवार**, का काव्य-पाठ। इन सुप्रसिद्ध रचनाकारों ने समसामयिक विषयों यथा नोटबंदी एवं उत्तर प्रदेश चुनाव आदि को केन्द्रित कर हास्य-व्यंग्य एवं श्रृंगार रस की कविताएँ और पैरोडियाँ सुनाई। नैनीताल से पधारी यशस्वी कवियित्री सुश्री गौरी मिश्रा ने कुछ यूँ माहौल को रंगीन बनायाः **ये न पूछो कि दिल का हाल कैसा है, तुम्हें मैं ये बताती हूँ कि नैनीताल कैसा हैं। बीमार-ए-इश्क में दिल की दवा साथ लाई हूँ, मूहब्बत की अनोखी ताजी हवा साथ लाई हूँ। गुलाबी नोट से ज्यादा गुलाबी गाल कर दूँगी, तुम्हें अपने मुहब्बत से मैं मालामाल कर दूँगी।**

'पद्मश्री' एवं 'यश भारती साम्मान' से नवाजे गए डा. सुनील जोगी की कविता - **'कांग्रेस का हो गया बंटाधार रसिया, देखो मोदी ने बनायी सरकार रसिया'** ने लोगों को खूब झुमाया। श्री रामबाबू सिकरवार की पैरोडियाँ और श्री अरुण जैमिनी की ठेठ हरयाणवी अंदाज में कविताएँ भी लोगों को खूब भायीं। एक हजार से अधिक लोगों से खचाखच भरा हाल अनवरत ठहाकों और तालियों से गूँजता रहा।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, उपाध्यक्ष श्री संतोष सराफ, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका, संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री दामोदर बिदावतका एवं श्री दिनेश कुमार जैन, पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री श्री सत्यनारायण अग्रवाल, सर्वश्रीमती/सुश्री सुनीता हरलालका, उर्मिला बागला, सुषमा चाँदगोठिया, बिमला जालान, वीणा अग्रवाल, ललिता लोढ़ा, आशा तुलस्यान, संजु डोकानिया, सविता लोहिया, चंदा धानुका, ललिता जैन, प्रभा बिनानी, संजुला दुगड़, सुधा धारिवाल, मंजु देवी सेठिया, कविता डालमिया, सीमा गुप्ता, सरोजिनी शाह, मीना गाड़ोदिया, मीना अग्रवाल, मीना मवांडिया, अनीता अग्रवाल, रूचि भूडोलिया, बबिता अग्रवाल, निर्मला पाटुनी, मंजु यादुका, आशा धूत, पुष्पा सारडा, सरिता अग्रवाल, उषा पोद्दार, वीणा केडिया, शिखा जैन, सुधा चौधरी,

डॉ. सुनील जोगी

श्री अरुण जैमिनी

सुश्री गौरी मिश्रा

श्री रामबाबू सिकरवार

मंजु पोद्दार, दुर्गा डालमिया, कंचन द्रोलिया, संसिता अग्रवाल, निर्मला देवी सोधानी, ललिता अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, लक्ष्मी मोहता, कविता बंसल, मंजु देवी सेठिया, मधु तोदी, किरण राठी, शोभा डालमिया, बेला द्रोलिया, नीतू लोहिया, उषा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, सर्वश्री श्रीमोहन चौधरी, इन्द्र चन्द गुप्ता, काशी प्रसाद धेलिया, विकास लोहिया, संजय शर्मा, विवेक लोहिया, संजय अग्रवाल, राजेश कुमार पोद्दार, मनोज कुमार अग्रवाल, पवन कुमार चौमाल, देवकी नन्दन पोद्दार, रविन्दर कुमार गुप्ता, राजेन्द्र राजा, बिनोद टेकरीवाल, सांवरमलजी अग्रवाल, दिनेश जैन, सी.एस सारडा, आत्माराम लड्ढा, रतनलाल अग्रवाल, एस.सी. दुगड़, एस. के. रुँगटा, सुदेश अग्रवाल, बिजय गुजरवासिया, राम गोपाल बागला, रतन डागा, जे. पी. सेठिया, के. के. अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, जे. सी. अग्रवाल, संजय भालोटिया, श्याम सुंदर खेमानी, मनमोहन गाड़ोदिया, नारायण राजगड़िया, जी. डी. अग्रवाल, पी. के. बिड़ला, गोपाल अग्रवाल, नरेन्द्र धानुका, मनोज सेठिया, पी.के. लिल्हा, आर. पी. पंसारी, डॉ. जुगल किशोर सराफ, गोपी धुवालिया, बिमल चौधरी, नंदलाल शाह, राम निवास शर्मा, गोविन्द प्र. केजरीवाल, शंकर लाल सोमानी, भानीराम सुरेका, श्रीगोपाल अग्रवाल, प्रमोद शाह, ऋषि बागड़ी, कान्ति चन्द्र गोयनका, तारकेश्वर मिश्र, देवकी नंदन खेतान, श्याम भूडोलिया, के. के. डालमिया, नंदलाल सिंघानिया, संत कुमार कसेरा, जयगोविन्द इन्दौरिया, निकुंज बिदावतका, बी.डी. भैया, राजेश अग्रवाल, सजन बंसल, बी.पी. यादुका, सीताराम शर्मा, एन. पी. अग्रवाल, राम निवास शर्मा 'चोटिया', जगदीश चन्द्र एन. मूँधड़ा, धर्मचन्द अग्रवाल, हरिराम अग्रवाल, मेघराज सेठिया, बिट्ठलदास मूँधड़ा, शिव रतन फोगला, निरंजन राजगढ़िया, अनिल कुमार पोद्दार, संतोष जैन, विजय कुमार लोहिया, बेनीगोपाल भरदिया, अभिषेक लोहिया सहित भारी संख्या में महिलायें-पुरुष उपस्थित थे।

समारोह को सफल बनाने में **सर्वश्री संजय गोयनका, शिव बागला, सुरेन्द्र अग्रवाल 'कयाल', शशिकान्त शाह, ओमप्रकाश अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, मनोज चाँदगोठिया, संजय अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, राजेश पोद्दार, नरेश शर्मा** आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पटना
जनवरी से मार्च की गतिविधियाँ

पटना में आयोजित प्रकाश उत्सव कार्यक्रम के दौरान गाँधी मैदान के पूरब मोना सिनेमा के पास सम्मेलन तथा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से चाय, बिस्कुट, पानी का पाँच दिवसीय स्टॉल लगाया गया। इसमें करीब छः लाख कप चाय एवं १३२ कार्टून बिस्कुट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी थे। बिहार सरकार एवं सिख समुदाय द्वारा सम्मेलन के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

दिनांक १५ जनवरी २०१७ को स्थाई समिति की बैठक हुई, जिसमें करीब ३५ सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराकर विचार-विमर्श में भाग लिया।

बिहार में शराब बंदी को प्रोत्साहन देने हेतु मानव श्रृंखला कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्थानों पर सम्मेलन द्वारा बैनर लगाया गया तथा कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

दिनांक २६ जनवरी २०१७ को कार्यालय के नीचे हर साल की भांति इस साल भी झंडोत्तोलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बिहार के राज्यपाल जी के आमंत्रण पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, प्रादेशिक महामंत्री श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री बिनोद तोदी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुषमा अग्रवाल राज भवन के कार्यक्रम में शामिल हुए।

सम्मेलन के द्वारा दिनांक ०५ फरवरी २०१७ को

सम्मेलन भवन के निकट स्थानीय एक्जीबिशन रोड, चौराहा पर प्रसिद्ध समाजसेवी श्री दशरथ कुमार गुप्ता की प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर उनके सुपुत्र श्री राजेश कुमार गुप्ता एवं उनके परिवार के सहयोग से भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें १८०० सौ लोगो को गरम भोजन कराया गया।

दिनांक २६ फरवरी २०१७ को दरभंगा शाखा के आतिथ्य में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१५-१७ की अष्टम् कार्यकारिणी समिति की बैठक एवं दरभंगा प्रमंडल का प्रमंडलीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ, जिसमें लगभग १६० समाजबन्धु उपस्थित थे। बैठक में अन्य बातों के अलावा आगामी नगर निगम चुनावों में सामाजिक सहभागिता एवं समाजबन्धुओं को विजयी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उक्त अवसर पर शाखा द्वारा चयनित पाँच समाजबन्धुओं को सम्मेलन द्वारा शॉल एवं मेमेन्टों प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सदस्यता :– जनवरी, फरवरी एवं १७ मार्च २०१७ तक में १ संरक्षक एवं ५० आजीवन सदस्य बनाये गये हैं। जिसकी सूची एवं राष्ट्रीय शुल्क भेज दिया गया है।

कवि सम्मेलन :– पटना नगर शाखा द्वारा होली के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक ११ मार्च २०१७ को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में लोकप्रिय कार्यक्रम "अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन" का आयोजन किया गया। देश के चुने हुए हास्य, व्यंग्य, गीत एवं वीर रस के चोटी के कवि सर्वश्री प्रताप फौजदार (आगरा), विनीत चौहान (अलवर), दिनेश रघुवंशी (दिल्ली), शंभू शिखर (दिल्ली), अनिल अग्रवंशी (दिल्ली), सुदीप भोला (दिल्ली) एवं श्रीमती रूची चतुर्वेदी (दिल्ली) ने अपने काव्य पाठ से पटनावासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर रात तक श्रोताओं ने कविताओं का आनन्द उठाया।

भंडारा :– पीडित मानवता को समर्पित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना नगर शाखा द्वारा दिनांक १९ मार्च २०१७ को प्रातः ११ बजे से दिन में २ बजे तक एक्जीबिशन रोड चौराहा पर अन्न सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत भंडारा का आयोजन किया गया। जनसेवा के इस कार्यक्रम में लगभग १५०० लोगों को शुद्ध और गर्म भोजन करवाया गया एवं शीतल जल की व्यवस्था की गई।

अन्न सेवा का यह कार्यक्रम हर महीने समाजबन्धुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शाखा का ११ वाँ अन्न सेवा कार्यक्रम हमारी कार्यकारिणी के सदस्य श्री अमित अग्रवाल के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में शाखा के अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सुरेका, निवर्तमान अध्यक्ष श्री राकेश बंसल, शाखा मंत्री रंदीप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष श्री दिलीप मित्तल, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला, निवर्तमान प्रदेशिक अध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका, कार्यकारिणी सदस्य सर्वश्री अभिषेक अग्रवाल, नवीन टीबड़ेवाल, राशि गोयल, विकास बैरोलिया, संजय मोदी एवं सर्वश्री सुशील सुन्दरका, राजेश डालमिया, राजेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर हिसारिया, महेश शर्मा आदि अनेक महानुभावों ने उपस्थित होकर जनसेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया।

होली मिलन समारोह : –

दिनांक १३ मार्च २०१७ को दरभंगा में होली मिलन समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया, जिसमें नगर विधायक संजय सरावगी, पूर्व मेयर अजय जालान, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री पवन सुरेका, डा. राम निरंजन केडिया, गिरधर कुमार बैरोलिया, डा. अशोक पोद्दार आदि ने होली मिलन समारोह में अपनी सहभागिता दी।

दिनांक १३ मार्च २०१७ को मुजफ्फरपुर में शाखा द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाजबन्धुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समारोह में एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी गई। इस अवसर पर ठंढ़ई एवं लजीज व्यंजनों की भी व्यवस्था मुजफ्फरपुर शाखा द्वारा की गई थी। ढ़प-ढ़ोलक एवं संगीत का भी आयोजन किया गया था। उक्त अवसर पर सर्वश्री रमेश केजड़ीवाल, राजीव केजड़ीवाल, पवन बंका, सत्यनारायण तुलस्यान, श्याम सुन्दर भरतिया, कैलाश भरतिया, पुरूषोत्तम पोद्दार, राकेश शर्मा, मूल चन्द शर्मा, मनोहर केजड़ीवाल, अनिल ढ़ाढ़निया, संजय अग्रवाल, श्याम पोद्दार, बद्री प्र. अग्रवाल, अशोक कुमार केजड़ीवाल, महावीर प्र. अग्रवाल, मन मोहन अग्रवाल, दीपक भरतिया सहित अनेक समाजबन्धुओं ने कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन का आनन्द लिया।

भागलपुर शाखा द्वारा दिनांक १५ मार्च २०१७ को होली मिलन कार्यक्रम धूम-धाम से आयोजित किया गया।

मूलचंद बैद बने सिलचर शाखा के अध्यक्ष
मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों का दौरा

सिलचर के प्रतिष्ठित समाजसेवी मूलचंद बैद को मारवाड़ी सम्मेलन की स्थानीय शाखा का फिर से अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। स्थानीय जैन भवन में आयोजित एक सभा में सर्वसम्मति से बैद को सत्र २०१७-१९ के लिए अध्यक्ष चुना गया। बैद के नाम का प्रस्ताव समाजसेवी बुधमल बैद ने किया था, जिसका सभा ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया, महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी एवं संयुक्त मंत्री पवन शर्मा सिलचर के सांगठनिक दौरे पर थे। इस दौरान उनका अभिनंदन करने के लिए सम्मेलन के सदस्यों एवं समाजबंधुओं की एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में समाज के लोगों ने शिरकत की। सभा की अध्यक्षता मूलचंद बैद ने की। इस मौके पर मंच पर प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया, प्रांतीय महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी, संयुक्त मंत्री पवन शर्मा के अलावा स्थानीय समाज के मूलचंद बैद, अमरनाथ खंडेलवाल, देवकीनंदन जालान एवं महावीर प्रसाद जैन आसीन थे। अध्यक्ष मूलचंद बैद ने अपने संबोधन में कहा कि कतिपय कारणों से शहर में सम्मेलन की गतिविधियाँ पिछले कुछ वर्षो से शिथिल पड़ी हुई थी। उन्होंने सभा के समक्ष स्वयं एवं अपनी कार्यकारिणी का इस्तीफा दिया, जिसे मंजूर करने के बाद सभा ने अध्यक्षीय प्रणाली से अगले सत्र के लिए फिर से मूलचंद बैद को अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा। दूसरी ओर सभा को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया ने स्वीकार किया कि प्रांतीय पदाधिकारियों को शाखाओं का नियमित रूप से दौरा करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रांत और शाखाओं के बीच संवादहीनता के कारण भी कई बार शाखाएँ शिथिल हो जाती हैं। सीकरिया ने बताया कि १५ वर्ष बाद कोई प्रांतीय पदाधिकारी सिलचर के दौरे पर है। सभा में उपस्थित भारी भीड़ से गदगद प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि सिलचर के मारवाड़ी समाज में काफी संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम को काफी पहले यहाँ का दौरा करना चाहिए था। वहीं प्रांतीय महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी ने सभा के समक्ष समाज के एक प्रतिनिधि संगठन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इन्होंने सिलचर में सम्मेलन की शाखा को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय समाज के प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य को संगठन की सदस्यता ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने सभा को सम्मेलन के विजन, नीतियों एवं कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। सभा को प्रांतीय संयुक्त मंत्री पवन शर्मा, देवकीनंदन जालान, महावीर प्रसाद जैन व अमरनाथ खंडेलवाल ने भी संबोधित किया। मालूम हो कि उक्त आयोजन को सफल बनाने में प्रांतीय संयुक्त मंत्री पवन शर्मा एवं सिलचर शाखा के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान में प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य देवकीनंदन जालान एवं वरिष्ठ पत्रकार मदन सिंघल का विशेष सहयोग रहा।

मारवाड़ी सम्मेलन – जोरहाट शाखा

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट द्वारा गत् दिनों कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसकी विस्तृत जानकारी निम्नलिखित है -

१) गणतंत्र दिवस - २६-०१-२०१७

मारवाड़ी सम्मेलन तथा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा संयुक्त रूप से जिला प्रशासन को सहयोग करते हुए जोरहाट चिकित्सा महाविद्यालय में मरीज़ों तथा उनके परिजनों में फल तथा बिस्किट का वितरण किया गया। जोरहाट जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी श्री विकास दास की निगरानी में दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने अपने हाथों से क़रीब ३०० मरीज़ों में सामान का वितरण किया।

२) महाशिवरात्रि पर दुग्धाभिषेक - **दिनांक २४ फ़रवरी २०१७**

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा पिछले ६ वर्षों से लगातार विश्व शांति तथा आपसी भाईचारा बढाने के वृहद् उद्देश्य से सामूहिक महाशिवाभिषेक करवाया जाता है। इस वर्ष भी २४ फ़रवरी २०१७, शिव मंदिर में ४ पुजारियों द्वारा दुग्धाभिषेक करवाया गया। मुख्य यजमान श्री नागर रतावा द्वारा सपत्नीक सैकड़ों समाजबन्धुओं के परिवार के साथ पूजा तथा अभिषेक किया गया। इस कार्यक्रम में संपूर्ण व्यवस्था तथा सामग्री सम्मेलन द्वारा ही प्रदान की जाती है।

३) झणकार नृत्य एवं चंग प्रतियोगिता तथा लोकगीत की पुस्तक का विमोचन - ११ मार्च २०१७, शनिवार

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा इस वर्ष होली के अवसर पर आयोजित हुई चंग प्रतियोगिता व राजस्थानी नृत्य के कार्यक्रम ने जोरहाट में एक नया आयाम जोड़ दिया। नगर के जिला पुस्तकालय में श्री पीतांबर देव गोस्वामी प्रेक्षागृह में दिनांक ११ मार्च को इस कार्यक्रम का शुभारंभ मारवाड़ी लोकगीतों पर आधारित झणकार नामक पुस्तक के विमोचन से किया गया। नागर रतावा द्वारा संग्रहित तथा संपादित इस पुस्तक का विमोचन जोरहाट के जिला उपायुक्त वीरेंद्र मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओंकारमल अगरवाला, प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खटेङ, जाने माने समाजसेवी व लेखक ओमप्रकाश गट्टाणी, श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रबंधक समिति के पूर्व सचिव माखन गट्टाणी, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, महेश्वरी सभा के अध्य गणपतलाल राठी, श्वेतांबर जैन सभा के अध्यक्ष भीकम चन्द कुंडलिया, दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष गजेन्द्र कुमार जैन, दाधीच सभा के अध्यक्ष बजरंगलाल सुंठवाल तथा पारीक सभा के अध्यक्ष बाबुलाल पारीक ने किया।

पुस्तक विमोचन के पश्चात राजस्थानी नृत्य के कार्यक्रम के संचालन की कमान श्रीमती पुजा जोशी तथा सुश्री अदिति केजडीवाल ने संभाली। पूरी तरह मारवाड़ी भाषा में संचालित तथा स्थानीय बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य के कार्यक्रम को खचाखच भरे प्रेक्षागृह ने भरपूर सराहा।

वहीं कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित चंग प्रतियोगिता में कुल ६ प्रतियोगी दलों ने भाग लिया। जिनमे जोरहाट के मस्त मंडल व सब सही है दल, शिवसागर के दल होली उत्सव, गोलाघाट के रंगीलो फागणियो व होली की टोली व आमगुडी से रंग रसिया दल ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार आमगुडी से रंग रसिया दल को मिला, जबकि दूसरा पुरस्कार गोलाघाट के रंगीलो फागणियो तथा तृतीय पुरस्कार जोरहाट के मस्त मंडल के नाम रहा। सभी विजयी दलों को नगद पुरस्कार के अलावा ट्राफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल (गुवाहाटी), गोलाघाट के डा. गोकुलचंद खंडेलवाल व दैरगांव के युवा समाजसेवी प्रदीप काबरा ने निभाई। पूरी तरह से निशुल्क इस कार्यक्रम का सफल संचालन कमल बगड़िया एवं नागर रतावा द्वारा किया गया।

४) फाग उत्सव एवं होली मिलन समारोह - १३ मार्च २०१७, सोमवार

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा द्वारा पिछले १८ वर्षो से लगातार आयोजित होली मिलन समारोह तथा फाग उत्सव इस वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रांगण में मनाया गया। होली के दिन सुबह १० बजे से १२ बजे तक फाग उत्सव के दौरान बड़ों तथा बच्चो ने चंग की थाप और गीतो के बीच जमकर रंग खेला तथा त्यौहार का लुफ्त उठाया।

शाम ५ बजे से प्रांगण में शुरू होली मिलन समारोह के दौरान भी समाजबन्धुओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। होली की बधाई और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के साथ ही बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लिया गया। सम्मेलन की तरफ से अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी। शाखाध्यक्ष बाबुलाल गगड़ एवं शाखामंत्री अनिल केजड़ीवाल ने सभी चंग बजाने वालों तथा उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये आभार प्रकट किया तथा धन्यवाद दिया।

समाचार सार

झारखण्ड के महाधिवक्ता विनोद पोद्दार सम्मानित

झारखंड के महाधिवक्ता विनोद पोद्दार को सांवैधानिक कानून के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए नेशनल लॉ डे अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह अवार्ड पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने प्रदान किया। गत २५ मार्च को मुंबई में आयोजित इंटरनेशन काउंसिल ऑफ जूरिस्ट, ऑल इंडिया बार एसोसिएशन और इंडियन काउंसिल ऑफ जूरिस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ जूरिस्ट समारोह में पोद्दार को इस सम्मान से नवाजा गया। इस प्रतिष्ठित अवार्ड का चयन हाई प्रोफाइल जूरी ने किया था।

समारोह में श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश प्रियसाथ देव, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समाज विकास की ओर से श्री पोद्दार को हार्दिक बधाई!

राजस्थान दिवस पर प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन ने विचारगोष्ठी आयोजित की

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राजस्थान दिवस के अवसर पर अग्रसेन भवन के सभागार में एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था -- राष्ट्र-निर्माण में प्रवासी मारवाड़ियों का योगदान। इसी अवसर पर झारखण्ड के महाधिवक्ता श्री विनोद पोद्दार को **'नेशनल ला डे'** सम्मान प्राप्त होने पर सम्मेलन की ओर से सम्मानित किया गया। विचारगोष्ठी की अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने की जबकि इसके संयोजक प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री धर्मचन्द जैन सारा तथा सह-संयोजन राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि शर्मा 'टोली' थे।

विचारगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणेश वंदना तथा स्वागत गीत से हुआ। संयोजक श्री धर्मचन्द जैन रारा ने अपने आरंभिक संबोधन में विचारगोष्ठी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र के प्रत्येक क्रियाकलाप में प्रवासी मारवाड़ियों का अद्‌भुत योगदान रहा है और इस समाज ने सेवा के क्षेत्र में जो भूमिका निभायी है, वह अतुलनीय है।

प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने स्वागत भाषण में कहा कि स्वतंत्रता से पूर्व तथा उसके पश्चात् देश के शीर्ष नेताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र-निर्माण में मारवाड़ी समाज के योगदान की बार-बार प्रशंसा की। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन तथा उसके बाद मारवाड़ियों के योगदान की इतिहास लेखकों ने काफी उपेक्षा की।

मुख्य वक्ता के तौर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री विनय सरावगी ने राजस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास की विस्तार से चर्चा की।

श्री सरावगी ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय घनश्याम दास बिड़ला तथा जमनालाल बजाज जैसे उद्योगपतियों की भूमिका तथा स्वतंत्रता से पूर्व तथा इसके बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धान्तों की व्याख्या करते हुए कहा कि आर देश में सिर्फ दो महापुरुषों के आदर्शो की चर्चा होती है – एक महात्मा गांधी तथा दूसरे राम मनोहर लोहिया।

पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री भागचन्द पोद्दार ने कहा कि जीवन को कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसमें मारवाड़ियों का योगदान न हो। निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया ने कहा कि राष्ट्र-निर्माण में मारवाड़ी समाज से अधिक किसी का योगदान नहीं हैं। प्रान्तीय उपाध्यक्ष डा. ओम प्रकाश प्रणव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यों से राष्ट्र निर्माण में लगा है।

राँची के उपमहापौर श्री संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि समाज को एक छत के नीचे लाने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि हमारी छवि एक मजबूत समाज के रूप में बन सके।

विचारगोष्ठी मे श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल, श्री प्रदीप तुलस्यान, श्री पवन मंत्री, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री

विनोद जैन ने भी अपने विचार रखे।

सम्मान के पश्चात अपने संबोधन में महाधिवक्ता श्री विनोद पोद्दार ने डा. लोहिया के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज ही नही, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में उनके जैसा व्यक्ति नहीं हुआ।

विचारगोष्ठी में झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश तथा वर्तमान में झारखण्ड के उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष श्री रमेश नेरटिया विशेष रूप से उपस्थित थे।

विचारगोष्ठी का संचालन प्रान्तीय महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल तथा धन्यवाद ज्ञापन राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि शर्मा ने किया।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री सी.आर. चौधरी से मिला शिष्टमंडल

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमण्डल श्री सी.आर.चोधरी (उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री - भारत सरकार) से मिला। प्रतिनिधिमण्डल मे निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, पश्चिम दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री नवरतन मल अग्रवाल, शाखा मंत्री श्री सुर्य प्रकाश लाहोटी, श्री श्याम सुन्दर चमडिया, श्री प्रदीप गोयल थे।

निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई :

मारवाड़ी सम्मेलन का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने सम्मेलन से सक्रिय रूप से जुड़ने की स्वीकृति प्रदान की।
राजस्थानी भाषा को मान्यता देने हेतु विशेष प्रयास किये जायें व जल्द से जल्द आठवीं अनुसुची में शामिल किया जायें जिससे सभी वर्गों को फायदा मिले। राजस्थान के सभी सांसदो की संयुक्त मीटिंग की जाये व सम्मिलित आवाज उठायें।
राजस्थान व हरियाणा में रेल सेवाओं में सुधार व नई ट्रेनों की शुरूआत करने हेतु रेलमंत्री से मिलकर विशेष प्रयास किये जायें। जोधपुर मेल सप्ताह में दो बार की जगह रोजाना चलाया जाये लेकिन यदि सम्भव नहीं हो तो सप्ताह मे चार बार अवश्य चलवायें।
राजनीति के क्षेत्र मे आगामी नगर निगम चुनाव मे मारवाड़ी समाज के ज्यादा लोगो को प्रत्याशी बनाया जाये ताकि राजनीति मे ज्यादा भागीदारी होसके।
मारवाड क्षेत्र मे युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम किये जाएं।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का १० सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल केन्द्रीय वित्त एवं कार्पोरेट मामलों के राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम जी मेघवाल जी से मिला। प्रतिनिधिमंडल में निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, महामंत्री श्री लक्ष्मीपत भूतोडिया, कोषाध्यक्ष श्री सुन्दर लाल शर्मा तथा अन्य पदाधिकारीगण एवं सदस्य थे। सम्मेलन का परिचय, राजस्थानी भाषा की मान्यता, आगामी कार्यक्रमो में उपस्थिति आदि विषयों पर चर्चा हुई।

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular/ Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- **Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I**
- **Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi**
- **Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)**
- **WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)**
- **Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)**
- **NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview**
- **Certificate Course on Computer Applications**
- **Advanced Diploma in Financial Management**
- **Vocational & Technical Training**
- **Entrepreneurship Development**
- **Diploma in Banking and Finance**
- **Certificate course on theology**

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री सुशील कुमार पोद्दार
मेसर्स शुभश्री डीलट्रेड प्रा. लि.
२५बी, कैमक स्ट्रीट
८बी, कैमक कोर्ट
कोलकाता - ७०० ०१६
मो. - ९३३९८७१६४५

श्री पदम प्रकाश गुप्ता
मे. टेक्नो इलेक्ट्रीक एण्ड इंजीनियरिंग कं. लि.
१बी, पार्क प्लाजा, साऊथ ब्लाक
७१ पार्क स्ट्रीट, कोल - १६
मो. - ९८३१०२६४६७

श्री मनोज कुमार अग्रवाल
मे. आधुनिक ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज
२/१ए, शरत बोस रोड
लैंस डाउन टावर, कोल - २०
मो. - ९८३१७२९२१०

श्री श्रीकुमार बांगड़
मे. श्रीराम ट्रस्ट
३१, चौरंगी रोड
कोलकाता - ७०००१६
मो. - ९८३१०९७५६१

श्री विश्वनाथ केडिया
मे. ईस्ट इंडिया फ्लावर मिल्स प्रा. लि.
१६, स्ट्रैंड रोड, डायमण्ड हेरिटेज
नौवाँ तल, सुट नं.-९०२
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३१००२४५०

श्री हंसराज बमलवा
मे. नेमीचंद बमलवा एण्ड संस
१६ए, शेक्सपीयर सरणी
न्यु बी के मार्केट, तीसरा तल
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३१००२०५९

श्री बच्छराज बमलवा
मे. नेमीचंद बमलवा एण्ड संस
१६ए, शेक्सपीयर सरणी
न्यु बी. के. मार्केट, तीसरा तल
कोलकाता - ७०००७१
मो. - ९८३१००८०९३

श्री शरत झुनझुनवाला
मेसर्स - सम्राट झुनझुनवाला
५, क्लाइव रो, रूम नं. - ६५
तीसरा तल, कोलकाता - ७००००१
मो. - ९८३००५०४०८

श्री आत्माराम कजरिया
मे. राजस्थान छात्र निवास ट्रस्ट
८०बी, जितेन्द्र मोहन एवेन्यु
कोलकाता - ७००००५
मो. - ९४३२२०६८८०

श्री एस. पी. सहरिया
मेसर्स - पलाशवाड़ी टी. कं. लि.
१४बी, कैमक स्ट्रीट, चौथा तल
नंदी कमर्शियल, कोल - १७
मो. - ९८३१०२४०७५

श्री जुगल किशोर खेतावत
मेसर्स - रामेश्वरा ग्रुप इंटरप्राईज
जी. बी. रामेश्वरा अपार्टमेन्ट
१९ए, शरत बोस रोड
कोलकाता - ७०००२०
मो : ९८३१००५५५२

श्री दीपक जालान
मे. लिंक पेन प्लास्टीक लि.
३, अलीपुर रोड, सत्यम टावर
कोलकाता - ७०००२७
मो : ९८३०१९२३४५

संरक्षक सदस्य

श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल
मे. - बी. एस. प्रोग्रेसिव प्रा. लि.
अशोका अपार्टमेन्ट, १४, आशोका
रोड, कोलकाता - ७०००२७
मो : ९८३१०१७०३३

श्री राम नारायण खेमका
मेसर्स - मनभावन साड़ी
मेन रोड, हीरालाल चॉक के नजदीक
बेगुसराय - ८५११०१, बिहार
मो : ९३०४८०८७४८

आजीवन सदस्य

श्री शैलेन्द्र बंसल
माहरूफगंज, सहरसा-८५२२०१, बिहार

श्री शिव कुमार अग्रवाल
माहरूफगंज, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री सुनिल कुमार जालान
कपड़ापट्टी, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री मुरारी अग्रवाल
कपड़ापट्टी, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री अर्पित तुलस्यान
धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१
बिहार

श्री विवेक नंद तुलस्यान
धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री विजय कुमार बगड़िया
बनगाँव रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री संजय कुमार शर्मा
दुर्गा स्थान रोड, सहरसा - ८५२२०१
बिहार

श्री प्रेम कुमार अग्रवाल
डी. बी. रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री सुनिल कुमार सलामपुरिया
डी. बी. रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री अशोक कुमार अग्रवाल
डी. बी. रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री सुशील दहलान
दहलान चौक, सहरसा - ८५२२०१, बिहार

श्री दीपक पंसारी
पुरैनी बाजार, मधेपुरा - ८५२११६, बिहार

श्री बिष्णु राय
पुरैनी बाजार, मधेपुरा - ८५२११६, बिहार

श्री बजरंग कुमार चौधरी
पुरैनी बाजार, मधेपुरा - ८५२११६, बिहार

श्री श्रवण कुमार सुल्तानियाँ
पुरैनी बाजार, मधेपुरा - ८५२११६, बिहार

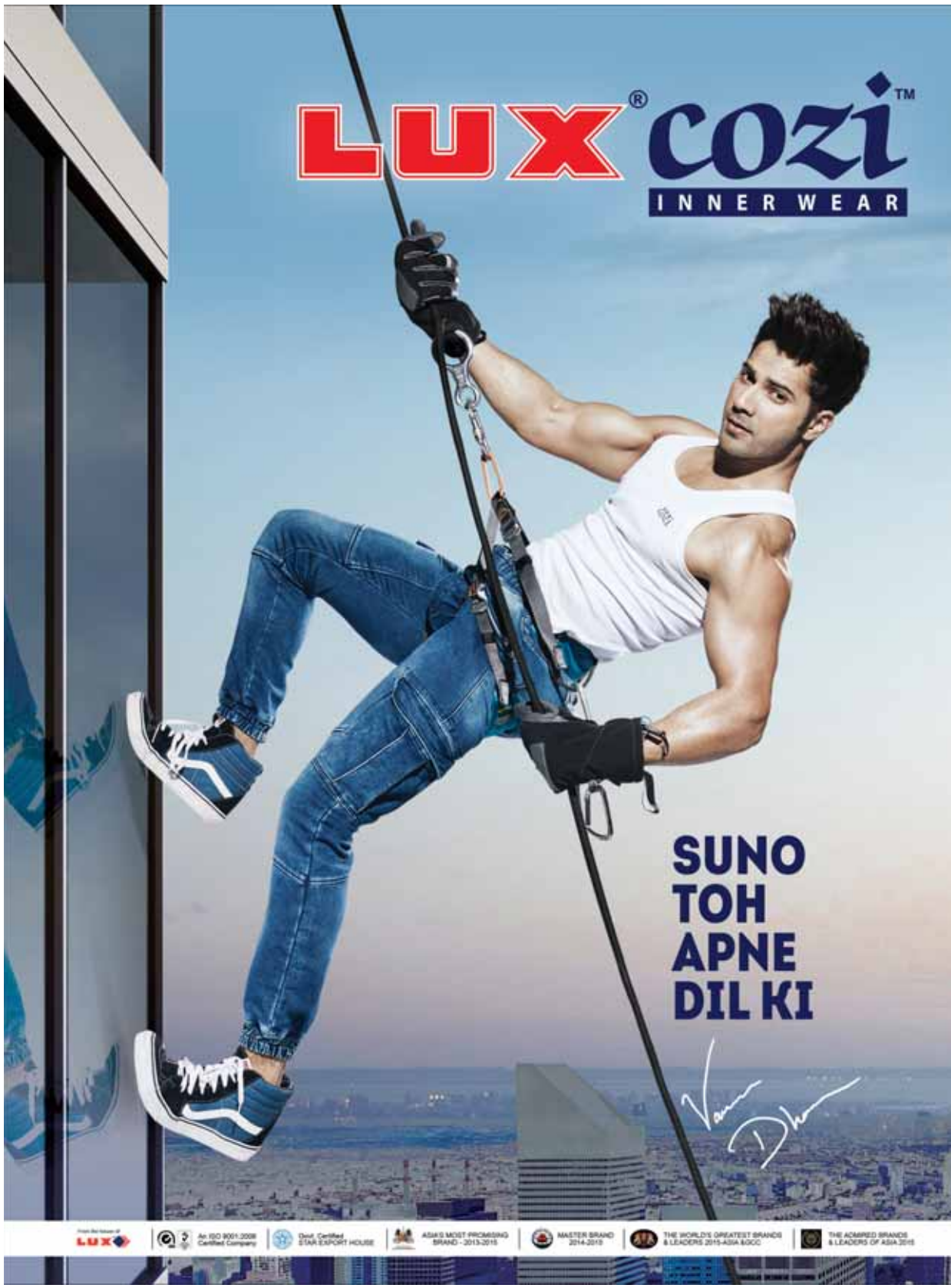
LUX®
cozi™
INNER WEAR
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th April 2017
RNI Regd. No. 2866/68

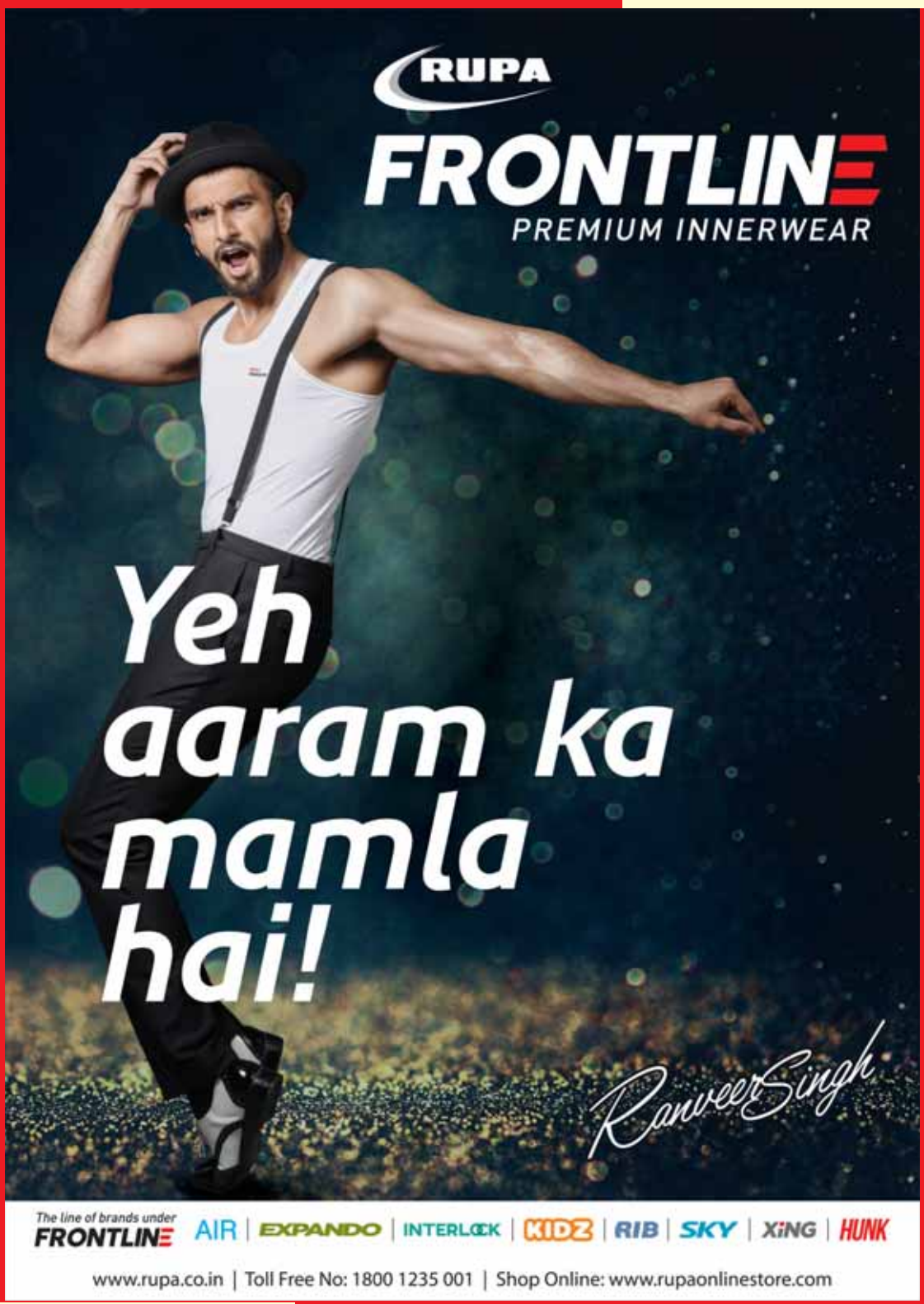

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com